घरेलू महिलाओं को भी सिखा दें सौर ऊर्जा अपनाने के गुर ताकि कहीं न रह पाए अंधेरा

रायपुर। नईदुनिया रिपोर्टर

जहां बिजली घर को रोशनी नहीं दे पा रही है, वहां के लिए सौर ऊर्जा कारगर होगी। मैंने खुद 700 घरेलू महिलाओं को सौर ऊर्जा के लिए प्रशिक्षित किया । नया लक्ष्य दस करोड़ सोलर लैंप बांटना और उन इलाकों में रोशनी पहुंचाना है जहां बिजली है नहीं या कम समय तक रहती है।

विद्यार्थी भी इसका लाभ लें और दूसरों को सौर ऊर्जा अपनाने का गुर दें। खासकर गांव में घरेलू महिलाओं को इसका गुर सिखाएं तो हर कोई रोशनी में रहेगा। यह कहना था आईआईटी मुंबई के प्रोफेसर चेतन सिंह सोलंकी का। वे रविवि के इलेक्ट्रानिक्स विभाग में अक्षय ऊर्जा पर व्याख्यान दे रहे थे।

एक करोड़ तक पहुंचा सोलर लैंप

प्रोफेसर सिंह ने बताया कि लगभग एक करोड़ ग्रामीणों तक सोलर लैंप पहुंचा है। वे और उनकी टीम ने केवल पहुंचाया ही नहीं, बल्कि एक छोटे से छोटे पार्ट को असेम्बल करना भी सिखाया ताकि छोटी सी समस्या होने पर उसे विद्यार्थी फेंके नहीं। आसानी से इसका इस्तेमाल कर सकें। इस मौके पर कुलपति डॉ. एसके पाण्डेय, कुलसचिव धर्मेश साहू, इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के प्रोफेसर डॉ. संजय तिवारी मौजूद रहे।

Prof. Chetan Singh Solanki, Professor, IIT Bombay with Students and Staff of Institute